Dr. Raj Gopal
Department of Philosophy

(ii) कोई कौआ सफेद नहीं है (E)
कुछ कौआ सफेद नहीं है (O)

इन दोनों उदाहरण में उद्देश्य और विधेय एक है इनके गुण में कोई अंतर नहीं है केवल इनके परिमाण में अंतर है एक पूर्णव्यापी है तो दूसरा अंशव्यापी इसलिए इनमें उपाश्रितता का संबंध है। यह संबंध पूर्णव्यापी और समान गुणवाले अंशव्यापी वाक्यों के बीच होता है। इसमें पूर्णव्यापी वाक्य उपाश्रय (Subaltern) और उससे संबंधित अंशव्यापी वाक्य उपाश्रित (Subaltern) कहा जाता है। जैसे - सभी मनुष्य मरणशील है (A) यह उपाश्रय है और I - कुछ मनुष्य मरणशील है उपाश्रित है। वैसे ही 'E' वाक्य कोई कौआ सफेद नहीं है। उपाश्रय है और 'O' कुछ कौआ सफेद है, उपाश्रित है। उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि A और I, E और O में उपाश्रित, अनुउपाश्रित का संबंध है।

(2.) विपरीतता (Contrary) ⇒ विपरीतता दो पूर्णव्यापी वाक्यों का संबंध जिनके उद्देश्य और विधेय एक हो पर उनके गुण में अंतर हो विपरीत संबंध से जुड़े होते हैं। पूर्णव्यापी भावात्मक वाक्य 'A' "सभी S P है" और पूर्णव्यापी निषेधात्मक 'E' "कोई S P नहीं है" में विपरीत संबंध है। यह संबंध 'A' और 'E' के बीच होता है।

(3.) अनुविपरीतता (Sub Contrary) ⇒ अनुविपरीतता दो अंशव्यापी वाक्यों का संबंध है, जिनके उद्देश्य विधेय एक हो पर इनके गुण में अन्तर है। अंशव्यापी वाक्य दो होते हैं 'I' और 'O' इनमें केवल गुण का अंतर है, एक भावात्मक तो दूसरा निषेधात्मक। यह संबंध 'I' और 'O' के बीच होता है।

Scanned with CamScanner

जैसे - कुछ विद्यार्थी मेहनती है (I)
कुछ विद्यार्थी मेहनती नहीं है (O)

∴ उपरोक्त उदाहरण में अनुविप रीतता का संबंध है।

(4.) व्याघातकता (Contradictory Opposition)

व्याघातकता दो वाक्यों का संबंध है जिसके उद्देश्य और विधेय पद हो पर उनमें गुण और परिमाण दोनों में अंतर हो। यह संबंध 'A' और 'O' तथा 'E' और 'I' के बीच होता है। अतः A-O या E-I व्याघातक तर्क वाक्य है। जैसे -

सभी वैज्ञानिक दार्शनिक है (A)
कुछ वैज्ञानिक दार्शनिक नहीं है (O)

इन दोनों में पूर्ण विरोध है अगर 'A' सत्य है तो 'O' असत्य होगा। अगर 'O' सत्य है तो 'A' असत्य होगा। इसलिए इसे 'A-O' या E-I को व्याघाती तर्क वाक्य कहते है।

Scanned with CamScanner